वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 45 शहरों में आवास की कीमतें बढ़ीं: रा.आ.बैंक

- ***सभी 8 प्रमुख महानगरों (यथा अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे) में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई।***
- **वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 45 शहरों ने *सूचकांकों में वृद्धि दर्ज की।***
- ***मूल्यांकन के आधार पर 50 शहरों ने समग्र एचपीआई में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 5.1% की वृद्धि दर्ज की।***
- ***निर्माणाधीन और निवास करने योग्य बिना बिकी सम्पत्तियों के लिये उद्धृत कीमतों में वर्ष-दर-वर्ष सुधार दर्ज किया गया।***

भारत के आठ प्रमुख प्राथमिक आवासीय बाजारों में जनवरी-मार्च 2024 की अवधि के दौरान संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। अहमदाबाद (5.9%), बेंगलुरु (8.1%), चेन्नई (5.1%), दिल्ली (1.7%), हैदराबाद (6.7%), कोलकाता (3.7%), मुंबई (4.0%) और पुणे (5.2%) ने राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा प्रकाशित आवास मूल्य सूचकांक के अनुसार वार्षिक आधार पर सूचकांक में वृद्धि दर्ज की।

बैंकों एवं आवास वित्त कंपनियों (एचपीआई@आकलन मूल्य) से एकत्रित संपत्तियों के आकलन मूल्यों के आधार पर 50 शहरों के एचपीआई ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के दौरान 5.1% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 5.8% थी।

एचपीआई@आकलन मूल्य में वार्षिक परिवर्तन वाले शहरों में 21.1% (गुरुग्राम) की वृद्धि से लेकर 10.4% (नवी मुंबई) की गिरावट, में व्यापक रूप से भिन्न है।

50 शहरों में से, 45 में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई जबकि 5 शहरों में संपत्ति की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50-शहरों के सूचकांक ने जनवरी-मार्च 2024 में 1.6% का विस्तार दर्ज किया, जबकि पिछली तिमाही में यह 1.3% था। सूचकांक सितंबर-21 से तिमाही-दर-तिमाही आधार पर एक बढ़ती प्रवृत्ति प्रदर्शित कर रहा है।

सूचकांक में 50 शहरों में से 43 शहरों में वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें गुरुग्राम में 7.3%, की उच्चतम क्रमिक वृद्धि दर्ज की गई, उसके बाद फरीदाबाद (5.5%), ग्रेटर नोएडा (5.0%) और भुवनेश्वर (5.0%) का स्थान रहा, जबकि हावड़ा, दिल्ली, लुधियाना, नवी मुंबई, नागपुर, तिरुवनंतपुरम और विजाग में तिमाही के दौरान एचपीआई@मूल्यांकन मूल्य में अनुक्रमिक गिरावट दर्ज की (नवी मुंबई में सबसे अधिक 3.6% जिसके पश्चात् लुधियाना में 2.5% की गिरावट दर्ज की गई)।

आपूर्ति पक्ष पर, 50 शहरों के एचपीआई ने निर्माणाधीन और बिना बिकी निवास योग्य तैयार संपत्तियों (एचपीआई@निर्माणाधीन संपत्तियों के लिए बाजार मूल्य) के लिए उद्धृत कीमतों के आधार पर मार्च 2024 की तिमाही में 10.2% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) भी दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 11.7% थी।

एचपीआई@बाजार मूल्य में वार्षिक भिन्नता 40.6% (देहरादून) की वृद्धि से लेकर 3.6% (लखनऊ) के संकुचन तक थी।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50 शहरों के सूचकांक में पिछली तिमाही में 2.7% की तुलना में इस तिमाही के दौरान 2.6% की वृद्धि देखी गई।

रा.आ.बैंक तिमाही आधार पर एचपीआई@आकलन मूल्य (पीएलआई द्वारा प्रदान किए गए मूल्यांकन मूल्यों के आधार पर) और निर्माणाधीन सांपत्तियों के लिए एचपीआई@बाजार मूल्य (बिल्डरों और डेवलपर्स द्वारा बिना बिकी एवं निर्माणाधीन सम्पत्तियों के मांग मूल्य पर आधारित) नामत: दो सूचकांक प्रकाशित करता है।